जैन दर्शन के स्याद्वाद के सिद्धान्त पर निबंध लिखें।

7. Analyse the nature of Brahman according to Śaṇkara.

शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप की व्याख्या दीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1446 **F**

Unique Paper Code : 2102201201

Name of the Paper : Introduction to Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : II

Ramanujan College Library Kalkaji, New Delhi-110019

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss common characteristics in various Indian philosophical school.

   विभिन्न भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय में सामान्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

2. Define Inference as a source of knowledge according to Nyāya Darśana.

   न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण को परिभाषित कीजिए ।

3. Analyse and explain the role of Perception as Pramāṇa with reference to Nyāya Darśan.

   न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का विश्लेषण और व्याख्या दीजिए ।

4. Explain Sāṅkhya theory of causation (satkāryavāda).

   सांख्य दर्शन के कारणता के सिद्धांत (सत्कार्यवाद) की व्याख्या कीजिए ।

5. Discuss the Buddhist theory of No Soul (Anātmvāda).

   बौद्ध दर्शन के अनुसार अनात्मवाद के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

6. Write an essay on the theory of Syādvāda according to Jain Darśan.